

ताली बाजे

यहाँ कोई नहीं सुनता है,
तुझे तेरे नाम की वजह से....-2
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से,
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से।
भीड़ लगे है भारी,
खाटू धाम की वजह से,
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से.....

बहुत हुई है बन्दे, तेरी मनमानियां,
झूठे हैं किस्से तेरे, झूठी है कहानियाँ,
रुकते प्रेमी श्याम के,
इंतजाम की वजह से,
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से.....

मदरही इनायत ऐसी, करता है साँवरा,
आज मनजानी देखो, कल तक था बाँवरा,
सेवा में आनाकानी करता,
दाम की वजह से,
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से.....

श्याम धणी का प्यारे, सच्चा दरबार है,
शरण में जो आए सागर, भव सिंधु पार है,
कोई कदर नहीं जानूं,
तेरे काम की वजह से,
तेरे हर झूठ पे ताली बाजे,
बाबा श्याम की वजह से.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23249/title/taali-baaje>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |